

VAN VIHAR NEWSLETTER

APRIL-MAY-JUNE-2024



संचालक डेस्क

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू, भोपाल द्वारा इस न्यूज लेटर के सप्तम अंक के माध्यम से अप्रैल मई व जून 2024 के मध्य वन विहार में हुई गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जा रही है। यह सम्पूर्ण अंक मगर तथा घड़ियाल के लिए समर्पित है जिसमें वन विहार के मगर, घड़ियाल तथा उनसे सम्बन्धित विभिन्न जानकारियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

वन विहार द्वारा इन तीन माह में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस जैसी अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। उक्त समस्त आयोजन म.प्र. इको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराई गई वित्तीय सहायता से किए गए। हमें र्हष है कि इस न्यूज लेटर के माध्यम से वन विहार की क्रिया-कलापों के साथ-साथ वन्यप्राणियों के संरक्षण हेतु वन विहार द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से आपका परिचय कराया जा रहा है।

(श्री मीना अवधेशकुमार शिवकुमार)
(आई.एफ.एस.)

संचालक

वन्यप्राणी अंगीकृत करें

वन विहार के वन्यप्राणियों को किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा, मासिक, त्रैमासिक, छमाही या वर्ष भर के लिए गोद लिया जा सकता है। वन्यप्राणी अंगीकरण योजना के अंतर्गत व्यय की गई राशि 80G के अंतर्गत नियमानुसार आयकर से मुक्त होगी। निम्न वन्यप्राणियों को उनके समक्ष दर्शित राशि, Executive Director M.P. Tiger Foundation Society, Van Vihar National Park, Bhopal के नाम पर चैक जारी कर गोद लिया जा सकता है:-

प्रजाति	वार्षिक राशि रु	अर्धवार्षिक राशि रु	त्रैमासिक राशि रु	मासिक राशि रु
बाघ	2,00,000	1,00,000	50,000	17,000
सिंह	2,00,000	1,00,000	50,000	17,000
तेन्दुआ	1,00,000	50,000	25,000	9,000
भालू	1,00,000	50,000	25,000	9,000
लकड़बग्गा	36,000	19,000	10,000	4,000
जैकाल	30,000	16,000	9,000	3,500
मगर	36,000	19,000	10,000	4,000
घड़ियाल	50,000	26,000	14,000	5,000
अजगर	8,000	4,500	2,300	800

Address :

Director, Van Vihar National Park and Zoo, Bhadbhada Road, Bhopal - 462003

Phone : 0755 - 2674278

Email : fdvanvnp.bpl@mp.gov.in

Van Vihar is open to tourist on all days of the week except Friday.

@VanViharNationalParkOfficialPage

@vanviharnationalpark.bhopal

@van_vihar

www.vanviharnationalpark.org

Visit our website
for park timings
and gate charges.

आइए वन विहार के मगर तथा घड़ियाल के बारे में जाने

मगर तथा घड़ियाल : मगरमच्छ प्रागैतिहासिक काल के डायनासोर जैसे सरीसृपों के साथ एक जीवित कड़ी हैं मगरमच्छ के जीवाशमों की एक विशाल विविधता की खोज की गई है जो 20 करोड़ वर्ष पुराने ट्राइसिक युग के हैं। आम तौर पर छिपकली जैसी दिखने वाली और मांसाहारी आदत वाले बड़े, भारी, उभयचर जानवरों की लगभग 28 प्रजातियाँ सम्पूर्ण विश्व में पायी जाती हैं जिनमें से तीन प्रजातियाँ मुख्य रूप से भारत में पाई जाती हैं जैसे क्रोकोडाइल पोरोसस, क्रोकोडाइलस पलुस्ट्रिस, गेवियलिस गैंगेटिक्स। सबसे आम प्रजातियाँ जो कि सम्पूर्ण भारत में देखी जाती हैं, क्रोकोडाइलस पलुस्ट्रिस और बहुत दुर्लभ गंभीर रूप से तुप्तप्राय गेवियलिस गैंगेटिक्स हैं। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में मगरमच्छों की दो प्रजातियाँ जैसे क्रोकोडाइलस पलुस्ट्रिस (मगर) और गेवियलिस गैंगेटिक्स (घड़ियाल) हैं। वर्तमान में वन विहार में 9 मगर तथा 6 घड़ियाल हैं।



मगर: मगरमच्छों में कई शंकवाकार दांतों के साथ शक्तिशाली जबड़े और पंजे वाली जालयुक्त उंगलियों के साथ छोटे पैर होते हैं। वे एक अनोखे शरीर का आकार साझा करते हैं जो आंखों, कानों और नाक को पानी की सतह से ऊपर रहने की अनुमति देता है जबकि अधिकांश शरीर नीचे छिपा रहता है। पूँछ लंबी और विशाल होती है, त्वचा मोटी और परतदार होती है। अंडे देने वाली और रेत में घोंसला बनाने वाली प्रजाति, जिसे खतरनाक भी माना जाता है। यह सम्पूर्ण भारत में (अति शीत क्षेत्र को छोड़कर) पाया जाता है। ओडिशा के भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल में सुंदरबन और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह बहुतयात में पाया जाता है। दक्षिण पूर्व एशिया और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में भी पाया जाता है।

खतरे: अवैध शिकार, निवास स्थान का नष्ट होना, आवास विनाश, आवास विखंडन और परिवर्तन, मछली पकड़ने की गतिविधियाँ और औषधीय प्रयोजनों के लिए मगरमच्छ के अंगों का उपयोग।

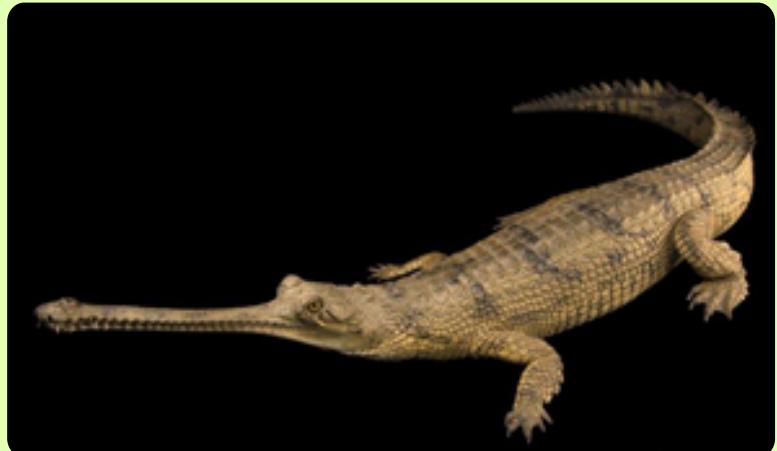


घड़ियाल : घड़ियाल कहे जाने वाले, एशियाई मगरमच्छों की एक प्रजाति है जो अपने लंबे, पतले थूथन से पहचाने जाते हैं जो एक बर्तन (हिंदी में घड़ा) जैसा दिखता है। घड़ियालों की आबादी स्वच्छ नदी के पानी का एक अच्छा संकेतक है। अपेक्षाकृत हानिरहित, मछली खाने वाली प्रजाति के रूप में जाना जाता है। ज्यादातर हिमालय की नदियों के मीठे पानी में पाए जाते हैं। विध्य पर्वत (मध्य प्रदेश) के उत्तरी ढलानों में चंबल नदी को घड़ियालों के प्राथमिक निवास स्थान के रूप में जाना जाता है।

खतरे: अवैध रेत खनन, अवैध शिकार, नदी प्रदूषण में वृद्धि, बांध निर्माण, बड़े पैमाने पर मछली पकड़ने का काम और बाढ़।



मगर तथा घड़ियाल के बारे में



- मगर का मुँह V के आकार में होता है, मगर खारे पानी वाले तालाब, पोखरों या जलाशयों में रहना पसंद करते हैं तथा मगर ज्यादा गुस्सैल होते हैं। इसके जबड़े के कई दांत मुँह बंद होने पर भी नजर आते हैं। जीभ पर नमक ग्रंथियाँ संशोधित लार ग्रंथियों के रूप में जबड़े और पूरे शरीर पर संवेदी अंग होते हैं।
- विश्व के अनेक भोगों में पाए जाते हैं। ये माँसाहारी होते हैं। घोंसले भूमि (रेत) पर बनाते हैं।

- घड़ियाल का मुँह U के आकार का होता है जिसमें एक पतला स्नाउट होता है। घड़ियाल हमेशा ऐसी जगहों पर पाए जाते हैं जहाँ साफ पानी मौजूद होता है। नदी, मीठे पानी की झील आदि। घड़ियाल शांत स्वभाव के होते हैं। मुँह बंद करने पर इसके निचले जबड़े के दांत नहीं आते हैं। जीभ पर नमक ग्रंथियाँ संशोधित लार ग्रंथियों के रूप में जबड़े के आस-पास संवेदी अंग होते हैं।
- घड़ियाल भारतीय उपमहाद्वीप में एंडेमिक एनिमल हैं। मछली इनका मुख्य भोजन है। घोंसले रेत में ही बनाते हैं।

जैव विविधता दिवस

वन विहार में वन विहार प्रबंधन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई 2024 के अवसर पर "Be Part of The Plan" थीम पर वन विहार के मुख्य मार्ग पर स्थित सर्प उद्यान के समीप खुला प्रश्न मंच कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जैव विविधता, शिक्षा एवं जागरूकता के उद्देश्य से खुला वर्ग हेतु मध्य प्रदेश की जैव विविधता पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। उक्त प्रतियोगिता में वन विहार भ्रमण पर आये पर्यटकों में से लगभग 90 पर्यटकों ने भाग लिया, जिसमें प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को कैप एवं फलदार पौधा देकर पुरस्कृत किया गया।



विश्व पर्यावरण दिवस पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में जन चेतना कार्यक्रम

दिनांक 05 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जन मानस में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से जन चेतना कार्यक्रम के अंतर्गत वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में प्रातः 07:00 बजे से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में वन विहार के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों को पॉलीथिन के दुष्परिणाम की जानकारी दी गई तथा पॉलीथिन उपयोग न करने की सलाह दी गई। साथ ही श्रमदान के तहत वन विहार में मुख्य मार्ग के आस-पास कचरा एकत्रित कर कचरा मुक्त किया गया। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य विषय “भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा सहनशीलता“ पर समाज में संदेश प्रसारित करना है। वन विहार भ्रमण हेतु आये पर्यटकों एवं उपस्थित कर्मचारियों को इस विषय पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सम्बोधित किया गया।

इस कार्यक्रम में श्री जे.एन.कांसोटिया, अपर मुख्य सचिव वन, श्री असीम श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी), श्री आर.के.यादव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रबंध संचालक, म.प्र. राज्य वन विकास निगम, श्री एम.एस. धाकड़, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कैम्पा), श्री पी.एल. धीमान, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (ग्रीन इंडिया मिशन), श्रीमती समीता राजोरा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, म.प्र. ईको पर्यटन विकास बोर्ड, श्री एम.एल. मीना, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रोजेक्ट), श्री बी.एस. अन्निगिरी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सू.प्रौ.), श्रीमती कमलिका मोहंता, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशा.-2), श्री एच.एस. मोहंता, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू-प्रबंध), श्रीमती राखी नंदा, वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी, भोपाल एवं श्री आलोक पाठक वन मंडलाधिकारी वनमंडल भोपाल, श्री मीना अवधेशकुमार शिवकुमार, संचालक, वन विहार, श्री सुनील कुमार सिन्हा, सहायक संचालक, श्री विजय बाबू नंदवंशी, बायोलॉजिस्ट, वन विहार एवं अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रीमती श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

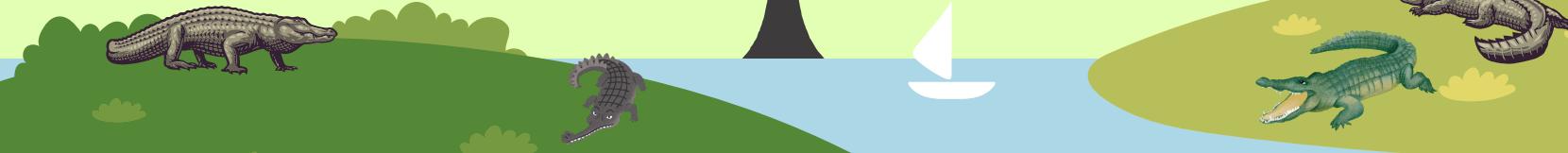
श्री सुनील कुमार सिन्हा, सहायक संचालक द्वारा कार्यक्रम की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला तथा कार्यक्रम का संचालन किया। साथ ही उपस्थित जन समूह को पर्यावण संरक्षण करने एवं प्रदूषण न फैलाने हेतु शपथ दिलाई गई।



विश्व पर्यावरण दिवस पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में जन चेतना कार्यक्रम



इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा श्रमदान में भाग लेने वाले समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को उपहार स्वरूप टी-शर्ट प्रदान की गई। इस अवसर पर गिरु संरक्षण एवं संवर्धन केन्द्र केरवा में केन्द्र प्रभारी एवं कार्यरत कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के अंत में संचालक, वन विहार, श्री मीना अवधेशकुमार शिवकुमार द्वारा समस्त अधिकारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।



वन विहार में दौरा

दिनांक 27.04.2024 को आर.सी.पी.व्ही. नरोन्हा प्रशासन व प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल के प्रशिक्षु अधिकारियों को भ्रमण कराया एवं श्रीमान सहायक संचालक महोदय ने वन विहार के वन्यप्राणियों के बारे में जानकारी दी।

दिनांक 12.05.2024 आई.एफ.एस. के 30 प्रशिक्षु अधिकारियों को (वर्ष 2022 बैच) वन विहार, वन विहार के वन्यप्राणियों तथा वन विहार में होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

दिनांक 22.06.2024 को आर.सी.पी.व्ही. नरोन्हा प्रशासन व प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल से आए प्रशिक्षु अधिकारियों को भ्रमण कराया एवं श्रीमान सहायक संचालक महोदय ने वन विहार के वन्यप्राणियों के बारे में जानकारी दी।



दिनांक 18.06.2024 को आई.आई.एफ.एम.एम., भोपाल से आए हुए 65 प्रशिक्षुओं को वन विहार का भ्रमण कराया एवं श्रीमान सहायक संचालक महोदय ने वन विहार के वन्यप्राणियों के बारे में जानकारी दी।



त्रैमास में वन विहार द्वारा किए गए वन्यप्राणियों के रेस्क्यू

दिनांक 14.04.2024 को ग्राम-किशनपुर, रेंज लड़कुई, वन मंडल, सीहोर में एक ग्रामीण के घर में तेंदुआ घुस गया था। तेंदुआ घर के कमरे में बंद था जिसे वन विहार की रेस्क्यू टीम द्वारा बेहोश कर पकड़ा गया। तेंदुआ को वन विहार लाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। तेंदुआ पूर्ण रूप से स्वस्थ था। उसे दिनांक 07.05.2024 को रेडियो कॉलर लगाकर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, नर्मदापुर में उसके प्राकृतिक रहवास में छोड़ दिया गया।



दिनांक 09.05.2024 को लटेरी विदिशा में एक ग्रामीण के घर में तेंदुआ घुस गया था जिसे रेस्क्यू कर वन विहार लाया गया। उक्त तेंदुआ का स्वास्थ्य परीक्षण करने पर उसके पिछले बाँहें पैर में गम्भीर घाव था जिसका उपचार किया गया। ऑपरेशन कर दिनांक 14.05.2024 को तेंदुए के पिछले बाँहें पैर का पंजा काटा गया। उक्त तेंदुआ जंगल में प्राकृतिक रहवास में छोड़ने हेतु पूर्ण स्वस्थ नहीं था। अतः उक्त तेंदुआ को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में ही रखा गया है।



वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में त्रैमासिक में पर्यटकों का आगमन

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में माहवार भ्रमण के लिए आए पर्यटकों की जानकारी:-

माह	पर्यटक संख्या
अप्रैल 2024	50935
मई 2024	58947
जून 2024	81777

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू के - जू-कीपर

बाड़ा प्रभारी - नाम अशोक कुमार धोटे, पद-वनरक्षक



श्री धोटे जी वर्ष-2010 से वन विहार में पदस्थ हैं। इनकी शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण है। वन विहार की पर्यटन व्यवस्था का कार्यभार सौंपा गया। श्री धोटे जी कार्य अनुभव मगर बाड़ा, घड़ियाल बाड़ा तथा पर्यटन व्यवस्था तथा वन विहार पर्यटन के अंतर्गत के तहत् पर्यटन व्यवस्था गेट नम्बर 1 एवं गेट नम्बर 2 पर टिकिट काउण्टर कार्य पर भी रहे हैं। श्री धोटे जी दिनांक 23.10.2008 को क्षेत्र संचालक, सतपुड़ा टाईगर रिजर्व, होशंगाबाद में पदस्थ रहे, दिनांक 13.03.2010 से श्रीमान अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) सतपुड़ा भवन, भोपाल में, दिनांक 31.03.2011 से इन्दिरा गाँधी वन विद्यालय प्रशिक्षण शाला, पचमढ़ी, होशंगाबाद में पदस्थ रहे।

वर्तमान में कार्य का विवरण -

- दिनांक 22.02.2018 से मगर बाड़ा एवं घड़ियाल बाड़ा प्रभारी हैं तथा बाड़ों की देख-रेख कर रहे हैं।
- रोज सुबह एवं शाम आकर पहले बाड़े के चारों तरफ गश्ती कार्य करना एवं वन्यप्राणी को देखना।
- बाड़े में रखे गए वन्यप्राणियों को चेक करना।
- बाड़े में रखे गए प्राणी को भोजन डलवाना एवं घड़ियाल को मछली देना।
- बाड़े में रखे गए वन्यप्राणियों की जानकारी पर्यटकों को प्रदान करना।
- वन्यप्राणियों के बैठने की जगह को समय- समय पर साफ-सफाई करवाना।
- पानी के ऊपर ऊंगी जलकुंभी आदि को समय- समय पर साफ करवाना।



जू-कीपर : नाम- चम्पाराम सेन, पद - श्रमिक



- दिनांक 10.03.2009 से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में कार्यरत हैं। इनकी शैक्षणिक योग्यता 5वीं उत्तीर्ण है।
- दिनांक 11.02.2012 से सफारी में टाईगर एवं पेंथर के तख्त रिपेरिंग व मेचान बनाने एवं वाटर हॉल की रिपेरिंग का कार्य किया।
- वन विहार की बिल्डिंग की पुताई एवं तार फेसिंग का कार्य किया।
- भोमा बनवाने एवं बारासिंग बाड़ा बनवाने का कार्य किया।
- केरवा डेम गिर्द वाले मकान की पुताई एवं गिर्दों के बैठने के मेचान बनाने व गेट, दरवाजे फिटिंग का कार्य किया। बायसन के टपरे बनाए दिनांक 02.04.2017 तक।
- दिनांक 07.05.2018 से अशोक धोटे नोकेदार के पास मगरबाड़ा व घड़ियाल बाड़ा में तालाब सीमा की जालियों की रिपेरिंग करना एवं बाड़े की गश्ती करना, मगर घड़ियाल की रोज गिनती करना एवं देखभाल करना, उनका खाना डलवाना, यदि कभी मगर आपस में लड़-झगड़ जाएँ तो मगर-घड़ियाल के जख्म, घाव पर स्प्रे, दवाईयाँ लगाना।
- मगर व घड़ियाल बाड़े में घास सफाई एवं नाव से जलकुंभी निकालने का काम किया एवं इनके बाड़ों में पानी की मोटर चलाकर पूर्ति करना व अन्य जानवर मर जाते हैं तो उनका दाह संस्कार करना व लकड़ियाँ एकत्रित करना व अन्य कार्य करना।
- दिनांक 25.06.2024 से नाकेदार श्री अशोक धोटे के पास कार्यरत हैं।

